Cosmos Multidisciplinary Research E-Journal
Online Available at www.cmrj.in
Recognized International Peer Reviewed Journal
Impact Factor 4.94
ISSN No. 2456-1665

उच्च शिक्षा लेते समय अनुसूचित जाती के छात्रो को आनेवाली पुस्तकालय कि समस्याओ का अध्ययन

डॉसंदिप गोरख साळवे .
एम; एड.एम; एड.बी; ए.सीपीसीटी ;पीएचडी (अर्थशास्त्र) पीडीएफ;
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद.नई दिल्ली ,
मोबाईल९४०४५०९७९४-
sandipsalwe@yahoo.com

सारांशवर्तमान शोधकार्य में विभिन्न स्तरो पर उच्च शिक्षा लेते समय अनुसूचित जाति के छात्रो को : ।पुस्तकालय सुविधाए प्राप्त करने में आनेवाली समस्याओ का अध्ययन किया गया है

प्रस्तावना

अनुसूचित जाति के छात्र प्राचीन काल से उच्च शिक्षा से वंचित है। वे पहले से ही सामाजिक , ।आर्थिक और शैक्षिक सुविधाओंसे वंचित है वर्तमान अनुसंधान कार्य में स्नातकस्नातकोत्तर और , पीएचडी स्तर के अनुसूचित जाति के छात्रो को आनेवाली पुस्तकालय कि समस्याओं का अध्ययन किया गया है।

अनुसंधान का उद्देश्य :

अनुसूचित जाति के छात्रो को उच्च शिक्षा लेते समय सामने आनेवाली पुस्तकालय कि समस्याओं का अध्ययन करना।

अनुसंधान परिकल्पना :

अनुसूचित जाति के छात्रो को उच्च शिक्षा लेते समय पुस्तकालय कि समस्या आति है।

अनुसंधान पद्धति :

प्रस्तुत अनुसंधानकार्ये वर्तमानकाल से संबधित है। इसलिए वर्तमान अनुसंधान पूर्ती के लिए सर्वेक्षण पध्दती का उपयोग किया गया है। तथ्य संकलन हेतू क्षेत्रीय स्रोत कि प्रश्नावली इस प्रविधि का उपयोग किया गया है।

अनुसंधान का दायरा :

प्रस्तुत शोधकार्य स्नातका स्नातकोत्तर और पीएचडी के छात्रो तक हि सीमित है ,

निर्दशन का चुनाव :

B.A, M.A, PH.D स्तर के अनुसूचित जाति के १० छात्रो का साद्देश्य नमुना चयन विधि का उपयोग करके निदर्शन का चुनाव किया गया है।

विश्लेषण

तालिकाछात्रो कि संख्या १-

क्रमांक	छात्र	संख्या	प्रतिशत
१	लडके	०८	८० प्रतिशत
२	लडकीया	०२	२० प्रतिशत
३	कुल	१०	१०० प्रतिशत

आधार फिल्ड वर्क -

स्पष्टीकरण: उपरोक्त तालिका क्रमांक १ के आकड़ो से पता से पता चलता है कि कुल छात्रो में से , प्रतिशत छात्र पुरुष वर्ग के है ८०। और २० प्रतिशत छात्र महिला वर्ग से है।

तालिकाछात्रो कि शिक्षा का स्तर २-

क्रमांक	शिक्षा का स्तर	संख्या	प्रतिशत
१	स्नातक	०४	४० प्रतिशत
२	स्नातकोत्तर	०२	२० प्रतिशत
३	पीएचडी	०४	४० प्रतिशत
४	कुल	१०	१०० प्रतिशत

स्रोतफिल्ड वर्क -

स्पष्टीकरण उपरोक्त तालिका : क्रमांक दोन के आकड़ो से पता चलता है किकुल प्रतिसादको में से , प्रतिशत प्रतिसादक स्नातक है ४० कुल। जबकी २० प्रतिशत प्रतिसादक स्नातकोत्तर है। और ४० प्रतिशत उत्तरदाता पीएचडी है।

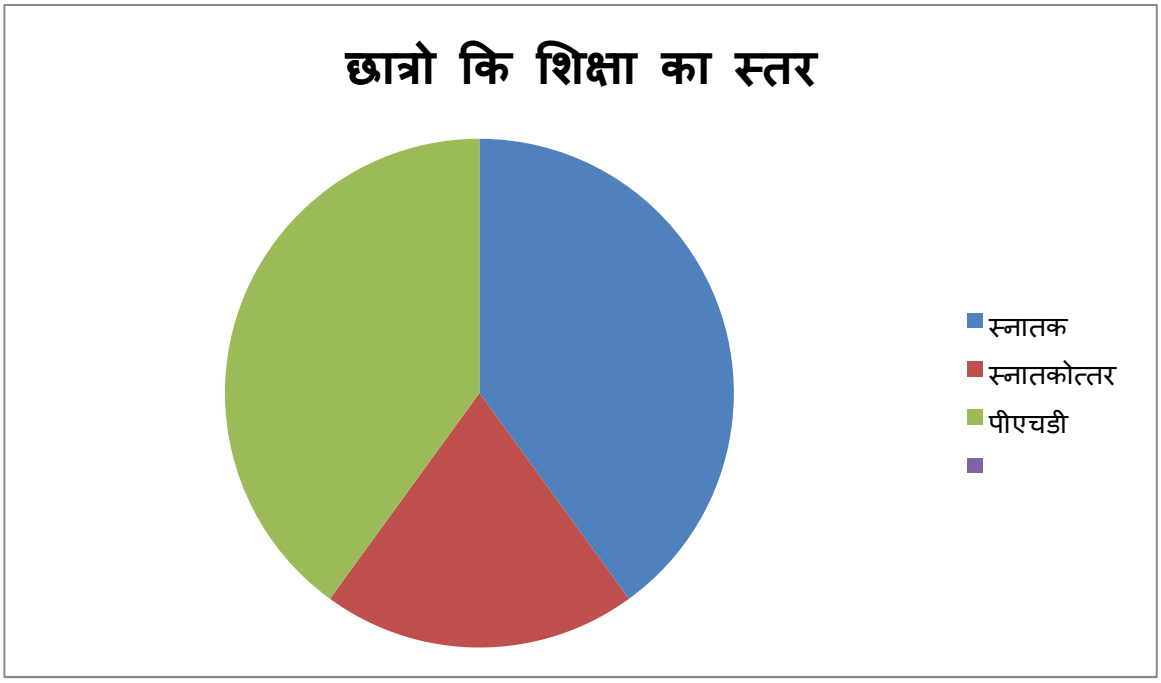

तालिका अनुसूचित जाति के छात्रो कि पुस्तकालय कि समस्या ३-

क्रमांक	कुल प्रतिवादी	प्रतिसाद	संख्या	प्रतिशत
१	१०	हा	०३	३० प्रतिशत
२	१०	नही	०२	२० प्रतिशत
३	१०	कभीकभी-	०५	५० प्रतिशत
४	१०	अन्य	००	०० प्रतिशत

स्रोत फिल्ड वर्क -

स्पष्टीकरण: उपरोक्त तालिका क्रमांक तीन के आकड़े दर्शाते है कि ३० कुल प्रतिसादको में से , प्रतिशतप्रतिसादको को उच्च शिक्षा लेते समय पुस्तकालय कि समस्या आति है। जबकी २० प्रतिशत प्रतिसादको को उच्च शिक्षा लेते समय पुस्तकालय कि समस्या नही आति है। और ५० प्रतिशत उत्तरदाता को पुस्तकालय कि समस्या कभीकभी आति है-।

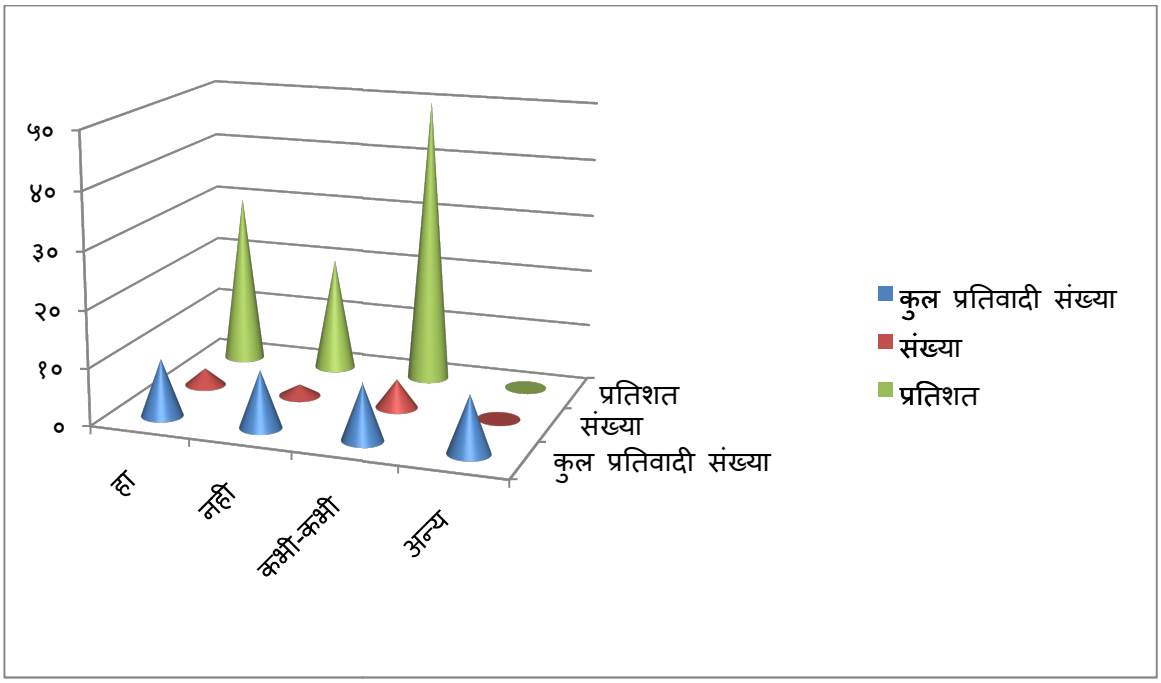

निष्कर्ष

१) कुल उत्तरदाताओं में से ३० प्रतिशत उत्तरदाताओं को उच्च शिक्षा लेते समय पुस्तकालय असुविधाओं कि समस्या आती है।

२) कुल उत्तरदाताओं में से २० प्रतिशत उत्तरदाताओं को पुस्तकालय कि असुविधा कि कोई भी समस्या नही अति।

३) कुल उत्तरदाताओं में से ५० प्रतिशत उत्तरदाताओं को पुस्तकालयीन असुविधाओं कि समस्या कभी। कभी आती है-

संदर्भसूची

१ फिल्ड वर्क (

२ विश्वभारती ,प्रथम संस्करण ,रिसर्च मेथोडोलोजी तकनिक तथा उपकरण ,पाल सिंह तोमर (.२०१५ ,नई दिल्ली ,पब्लिकेशन

३ (Johoda Gerald, 'Academic Library procedures for providing student with Required Reading Materials.'ERIC, no.3 (6), 1970.